



ਸੱਦਾ ਪੱਤਰ ਸਪਤਸਿੰਧੂ ਕਾਵਿ ਉਤਸਵ

ਪਿਆਰ ਵਿੱਚ ਮੋਏ ਬੰਦਿਆਂ ਦੇ ਮਿੱਠੇ ਬਚਨ ਕਵਿਤਾ ਹਨ। - ਪ੍ਰੋ ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ

Poetry is the ancient art which expresses and inspires human feelings, and the region of Sapta Sindhu is the birthplace of poetry. We are happy to invite you for the Sapta Sindhu Kaav Utsav (ਸਪਤਸਿੰਧੂ ਕਾਵਿ ਉਤਸਵ), a beautiful bouquet of Punjabi poets will recite their poems as per the following schedule.

❀ Chief Guest ❀

Shri Banwarilal Purohit
Honorable Governor Punjab

❀ Guest of Honor ❀

Surjit Patar, Padma Shri
Renowned Punjabi Poet

Date - April 15, 2024 **Time** - 02:30 PM - 05:30 PM

Venue - CDOE AUDI (USOL) Panjab University, Chandigarh

Poetry is thoughts that breathe, and words that burn -
Thomas Gray



ਸਪਤਸਿੰਧੂ ਕਾਵਿ ਉਤਸਵ

ਸੁਰਜੀਤ ਪਾਤਰ
Surjit Patar
(Padma Shri)
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਜਸਵੰਤ ਜ਼ਫਰ
Jaswant Zafar
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਸਵਰਨਜੀਤ ਸਵੀ
Sawaranjit Sawi
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਮਨਮੋਹਨ
Manmohan
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਸਵਾਮੀ ਅੰਤਰਨੀਰਵ
Swami Antar Neerav
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਦਰਸ਼ਨ ਬੁੱਟਰ
Darshan Butter
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਸੁਸ਼ੀਲ ਦੁਸਾਂਝ
Susheel Dusanjh
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਅਜੀਤਪਾਲ
Ajeet Pal
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਸੁਰ ਇੰਦਰ
Sur Inder
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਵਿਜੇ ਵਿਵੇਕ
Vijay Vivek
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਸੁਰਜੀਤ ਹੋਸ਼
Surjit Hosh
(ਡੋਗਰੀ)

ਅਯਾਜ਼ ਸੈਫ
Ayaz Saif
(ਗੋਜਰੀ)

ਲਿਆਕਤ ਜਾਫ਼ਰੀ
Lyaqat Zafri
(ਪਹਾੜੀ)

ਭੂਪਿੰਦਰ ਜਸਰੋਟੀਆ
Bhupinder Jasrotia
(ਚੰਬਿਆਲੀ)

ਪ੍ਰੀਤਿਊਸ਼ ਗੁਲੇਰੀ
Pritiush Guleri
(ਕਾਂਗੜੀ)



ਸਪਤਸਿੰਧੂ ਕਾਵਿ ਉਤਸਵ

ਹੀਰਾ ਮੀਨਾ
Heera Meena
(ਰਾਜਸਥਾਨੀ)

ਪਰਮਿੰਦਰ ਸੋਢੀ
Parminder Sodhi
(ਜਪਾਨ)

ਕੁਲਵਿੰਦਰ
Kulwinder
(ਅਮਰੀਕਾ)

ਸੁਖਵਿੰਦਰ ਅੰਮ੍ਰਿਤ
Sukhwinder Amrit
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਭੂਪਿੰਦਰ ਕੌਰ ਪ੍ਰੀਤ
Bhupinder Kaur Preet
(ਪੰਜਾਬੀ)

ਦੇਵਿੰਦਰ ਬਿਬੀਪੁਰੀਆ
Davinder Bibbipuria
(ਹਰਿਆਣਾ)

ਕੁਮਾਰ ਅਨੁਪਮ ਤਿਵਾੜੀ
Kumar Anupam Tiwari
(ਹਿੰਦੀ)

ਅਫ਼ਜ਼ਲ ਸਾਹਿਰ
Afzal Sahir
(ਪਾਕਿਸਤਾਨ)

ਮਿਰਜ਼ਾ ਅੱਬਾਸ
Mirza Abbas
(ਪਾਕਿਸਤਾਨ)

ਦਲਵੀਰ ਕੌਰ
Dalvir Kaur
(ਇੰਗਲੈਂਡ)

ਸਵਾਤੀ ਸ਼ਰਮਾ
Swati Sharma
(ਹਿੰਦੀ)

ਰੁਪੇਸ਼ਵਰੀ ਸ਼ਰਮਾ
Rupeshwari Sharma
(ਮਡਿਆਲੀ)

ਸਮਸ਼ੇਰ ਸਾਹਿਲ
Shamsher sahil
(ਪੰਜਾਬੀ)



इषात इातकीत LIT FEST 24

सपतसिंधु साहित मेला 24

सपतसिंधु साहित उतसव सिरढ इक बौधिक अडिआस ही नही, इक कारजां नु करन दा इक सदा वी है। इस लडी, असीं तुहानु सदा दिंदे हां:

1. सुमेलता दे दिसुटीकेट नु कलावे विंच लैण लडी:

तां कि परसपर विरोपी सडिअतावां दे विडानित डिरतांतां/ कथावां तें पार जाइआ जा सके अते मनुखता दी अंतरीवी अंतर-संबंधता नु मुड तें विचारिआ अते डेजिआ जा सके।

2. सदडाना नु दुडारा पुंगरन देण लडी:

तां कि मनुखता विंच वातावरन संबंधी संवेदन नु पेदा करके. उहनां दी चेडंतता अते जागरुकता दा पेसुण करके अते सपतसिंधु दीआं परंपरावां दी काल-अडीत अते सदीवी बौधिकता दुआरा नरदेसुड अडिआतडिक विवास दी जातरा कीती जा सके।

3. विसव-पडरी संवादा दा मंच तिआर करन लडी:

तां कि आपडे विचारां, अनुडवां नु सांसा करके, उपाअ दी इक जीवंत टेपसुटी विंच डेगदान पा के अते सारे अनुसासनां अते सडिअतावां दे सहडेग दुआरा इक सांसे नैटवरक नु सिरज के विसव-पडरी संवादा लडी मंच तिआर कीता जा सके।

4. उग डदलाअ डनीडे जां सिरजीडे जे असीं देखना चहुंदे हां:

तां कि आपडे समुदाइक समुहां अते उहनां तें डार सडुल अमलां/कारजां विंच सपतसिंधु दी बौधिकता नु डुरिड, डुसतावित अते डुसारिड कीता जा सके।

विसव दी बौधिकता हुण चौराहे 'ते खडी है अते बौधिकता दे नवे डिरतांतां/कथा लडी तरस रही है। सपत सिंधु कला अते साहित उतसव सिरढ इक मंच ही नही है डलकि डुतिमानक डदलाअ लडी इक सपरिग-डेरड वी डनदा है। आड असीं इकडे हे के मनुखी बौधिकता दी इकसरता दा जसुन मनाडीडे अते इक अजिहे डविख दी दिसा विंच सहडेग-मडी जातरा दी सुरुआत करीडे. जिंडे सपतसिंधु सांसी डुसुहाली, वातावरन सदडाना अते कलिआनकारी जगत वल मारग डुदान करदा है। आड. असीं सुमेलता दी टेपिसुटी अते उमीद दी डुनडी डुनडे हेडे कावि नु डुतिडुनित कावि विंच डदलीडे तां कि साडी समुहिक डुनी दी गुंज. डेकता दे निले रंगां विंच डेडे हेडे इक उंजल डविख नु सिरज सके। आड, असीं इकडे डिल के सपतसिंधु दा रीत गाडीडे अते आपडे गुहि ते इस दे सारे नरवासीआं लडी उमीद दी इक नवीं सवेर दी सुरुआत करीडे।

Organisers

Nivedita Trust (regd.)

CDOE, Director
Prof. Harsh Gandhar



Dr Parveen Kumar
9888250732



Dr Shivani Agarwal
99155 95497



Ms Monika Jindal
98038 46502



sapatsindhulitfest@gmail.com